

थहर > अपडेट

मुख्यमंत्री आमंत्रण प्रृत्योगिता 26 से रांची: राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण प्रृत्योगिता 26 से समाप्त 26 दिसंबर से शुरू होगी। प्रत्योगिता के मैच माराहाबादी स्थित विरसा मुदा फूटबॉल स्टेडियम में होगा। जबकि समाप्त 29 दिसंबर को होगा। इस प्रत्योगिता में चारों जौन की टीमें भाग लेंगी। प्रत्योगिता नॉकआउट कम लीग आधार पर खेली जाएगी। इस प्रत्योगिता के विजेता टीम महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग के 3 लाख एवं उपविजेता को 2 लाख, जबकि तीसरे स्थान पर आने वाली दोनों वर्ग की टीमों को 50-50 हजार प्रत्येक की पुरस्कार राशि दी जायेगी।



राष्ट्रीय खबर

रांची: विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ चीजों का आकलन हमें करते रहना चाहिए। राज्य में कई निजी विश्वविद्यालयों की जांच करने के लिए सदन की कमिटी बनाने का आग्रह किया।

प्रत्योगिता में दमखम दिखाएगी झारखंड की 21 सदस्यीय टीम

राष्ट्रीय खबर



रांची: पंजाब में 26-27 दिसंबर को राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इसमें झारखंड की 21 सदस्यीय टीम भी हिस्सा लेगी। टीम के सदस्यों की घोषणा कर दी गयी है।

अब टीम गुरुवार की रात पंजाब के लिए रवाना होगी। टीम में संदीप कुमार, यश, गौरव, संभव जायसवाल, प्रियंका कुमार, रागिनी कच्छप, अनिता टोपो, रुषेश रंजन, शैलेन्द्र महतो, राजा सिंह, रितेश कुमार, अदित्य कुमार व दीप कुमार, शमिल हैं। टीम के अच्छे प्रस्तरों के लिए माराहाबादी युवा व्यायामशाला के वरिष्ठ सदस्यों ने अपनी शम्भकामनाएं दी हैं। इंस्ट इंडिया स्टेंथ लिफिंग चैम्पियनशिप में

झारखंड टीम भी रांची स्टेशन से मिनापुर (पश्चिम बंगाल) के लिए बुधवार की रात रवाना हुई। 22 से 24 दिसंबर तक अयोगिता ही रहे इस टूर्नामेंट में महिला वर्ग में प्रतिभावहीन होमरेम, अशयन कच्छप, हेमा तिवारी और देमा कुमारी यासिल हैं। युवा वर्ग में रोहन कुमार, शुभम कुमार, साहू, रवेश कुमार और दिनेश नायक सदस्यों ने मामले की सुनवाई की। टीम के मुख्य कोच अशोक कुमार गुप्ता है। एस कॉलेज, देवघर में वर्ष 1990 के आसपास कई शिक्षक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ चीजों का आकलन हमें करते रहना चाहिए। राज्य में कई निजी विश्वविद्यालयों की जांच करने के लिए सदन की कमिटी बनाने का आग्रह किया।

मंत्री बन्जा गुप्ता ने दिया भरोसा, कहा

रिम्स की व्यवस्था में होगा सुधार



राष्ट्रीय खबर

रांची: विधानसभा में सरकार ने भरोसा दिया है कि रिम्स की व्यवस्था में और भी सुधार किया जायेगा। शीतकालीन सत्र में आज रिम्स की व्यवस्था पर मचे बवाल के बीच स्वास्थ्य मंत्री बन्ना जाकर ने कहा कि रिम्स की व्यवस्था में सुधार होगा। रिम्स की व्यवस्था में अधिक एस्टरी की आवादी वाले या कम से कम 20 हजार जनजातीय व्यक्तियों वाले हर ब्लॉक में एक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (एप्टफ) खोलने का निर्णय पूर्व में लिया था। इसके बाद देशभर के जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य बना। पर स्थित यह है कि राज्य में अब तक मात्र 7 स्कूलों के प्रोजेक्ट ही कार्यात्मक हैं या संचालन में हैं। शेष अधर में ही हैं।

पार्टी के विधायक समरिलाल उनके भाई हैं और उन्हें रिम्स की चिंता रहती है, इसलिए वह उन्हें कहा कि रिम्स की व्यवस्था में सुधार होगा। रिम्स की व्यवस्था में अधिक सत्रों के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (एप्टफ) खोलने का निर्णय पूर्व में लिया था। इसके बाद देशभर के जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 संसद के शीतकालीन सत्र में चतरा संसद सुनील कुमार सिंह ने झारखंड में एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आवासीय स्कूलों के संबंध में जानकारी मार्गी थी। इस पर जनजातीय क्षेत्रों में 740 ईम्प्रारेस्स स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे सबसे अधिक 91 स्कूलों का तोहफा झारखंड की मिला। असम के लिए 14, महाराष्ट्र के लिए 37 और छत्तीसगढ़ के लिए 74 स्कूलों का लक्ष्य किया गया है। इनमें से 80 स्कूल अब आव

